बिसेसन

जे सबद संइगा चाहे सरबनामेक गुन भाभ बतवे हे ओकरा बिसेसन कहल जा हइ। जेरकम – ई फूल टा 'सुंदर' हइ। हियां सुंदर टा बिसेसन लागइ।

पटतइर

- बेस – ई बेस छउवा हइ।
- करिया – ओकर घोडा टा करिया हइ।
- सुंदर – ई मउनी कते सुंदर हइ।

खोरठा भाखाञ् बिसेसन मोटा मोटी चाइर किसिमेक हवो हइ –

1. गुन वाचक बिसेसन
2. गनती वाचक बिसेसन
3. नापजोख वाचक बिसेसन (मातरा/परिमान)
4. सरबनामिक चाहे इंगितकारी बिसेसन

1. गुन वाचक बिसेसन – संइगा चाहे सरबनामेक गुन–दोस, आकार, ढबधचर ,रंग–रूप ,दसा–दिसा हेन तेन बतवइया सबद गुनवाचक बिसेसन कहा हइ।

जइसन – सुंदर सुगा। पुरना बात। नावाँ जुग। चाइर कोनिया खेत। पइरकल छगरी। बुढा लोक आरो–आरो।

पटतइर:–

- बढियां – गांवेक मुखिया बढियां लोक हइ।
- जोरगर – ओकर बेटवा जोरगर हइ।
- बुइधगर – मदन एगो बुइधगर लोक हइ।
- कुचटाहा – ओकर मरदा कुचटाहा हइ।
- लोभी – लोभी लोक बडी कसट भोइग के मोरो हथ।
- करिया – करिया गाइक दूध बेसी सोवाद लागे हे।
- पीयर – बियाह घुरी केनियाइ के पीयर लुगा पिंधवल पिंधवल जा हइ।
- चेरका – तोहर चुइल टा चेरका हउ।
- ढांगा – तोर बेटा टा ढांगा हउ।
- पतर – ई गाछ टा देइरे पातर हइ।
- चेका – ई आम टा बडी चेका हइ।

2. गनती वाचक बिसेसन – जे सबद ले कोन्हो जिनीस चाहे बेगइतेक गनतीक भाभ फुरछा हइ ओकरा गनती वाचक बिसेसन कहल जा हइ।

जेरकम – “हमर ठिन दस गो कागजी लेंबू हइ।”
हियां ‘दस’ टा गनती वाचक बिसेसन लागइ।

पटतइर

- चाइर – हमर ठिना चाइर गो कमला लेंबू हइ।
- तीन – तीन गो छउवा इसकूल जाइ रहल हथ।
- कोरी – हामकिन एक कोरी छगरी हइ।
- आठ – आठ बोकला गाछे बइसल हथ।

3. नाप जोख वाचक बिसेसन – जे बिसेसन सबद गुला ले संइगा चाहे सरबनामेक मातारक चाहे नाप जोख के गियान हवो हइ ओकरा नाप जोख वाचक बिसेसन कहल जा हइ।
जेरंग – सेर भइर आटा , एक लीटर दूध, दू पइला चाउर , चाइर ठोंगा सतुआ, एतना, ओतना , तनिकुन जरिसुन, बेसी, कम, एकगादा , गादाकगादा, आरो–आरो।
नाप–जोख वाचक बिसेसन दू किसिम भेवे हे/हवो हइ, जे गुला हेठें उखरवल हइ –

I. आबगा नाप–जोख वाचक (निश्चित) :– जे बिसेसन सबद गुला ले कोन्हो जिनिसेक आबगा नाप–जोखेक भाभ फुरछा हइ ओकरा आबगा नाप–जोख वाचक बिसेसन कहल जा हइ। जइसे पाँच मन कोयला , एक पइला कुरथी , पाँच मीटर लुगा।

पटतइर

- एक पइला – एक पइला जोंडरा आना।
- दू मीटर – रामेक आंगायं दू मीटर लुगा माडतइ।
- दस किलो – दोकान ले दस किलो आंटा लेले आन।
- पउवा – दू पउवा चाउर दे।

II. अनठेकाइर (अनिश्चित) नाप–जोख वाचक बिसेसन – जे बिसेसन सबद गुला ले अनठेकाइर नाप–जोख चाहे गनतीक भाभ फुरछा हइ ओकरा अनठेकाइर नाप–जोख वाचक बिसेसन कहल जा हइ। जे रकम – तनिकुन, पानी, जरीकुन आटा, ढेइरे मछली,आरो–आरो ।

पटतइर

- तनिकुन – तनिकुन पानी दाय, पियास लागल हइ।
- ढेइरे – मोहना ढेइरे मछरी मारलक।
- कुछु – कुछु चाउर लइके आव,भात बनवेक हइ।
- सोब – सोब आंटा सनाइ गेलइ।

4. सरबनामिक/इंगित वाचक बिसेसन – जे सरबनाम सबद सइंगा ले आगु आइके ओकर बाट इंगित करो हइ ओकरा सरबनामिक चाहे इंगित वाचक बिसेसन कहल जा हइ।

जेरकम – **"ई छउवा टा पइढ रहल हइ।"**

हियां **'ई'** छउवा बाट इंगित कइर रहल हइ जे गुना **'ई'** सरबनामिक चाहे इंगित वाचक बिसेसन हइ।

पटतइर

- ई – ई छउंडी पइढ रहल हइ।
- ऊ – ऊ लोक गुला भाइग रहल हथीन।
- ऊ – ऊ राम हइ।

सोवाल – बिसेसन के माने बताके ओकर भेद के पटतइर दइके लिखा।